शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

मार्च, 2021 | मासिक | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :8 | मूल्यः निःशुल्क

प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

DAY-NULM
Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission

आत्मनिर्भर भारत

11,918
स्वंय सहायता समूहों (SHGs) का गठन

68,375
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

16,160
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

70,603
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

1. उत्कृष्ट कार्यों के लिए झारखंड का मॉडल बनेगा राँचीः माननीय केंद्र सचिव
2. जमशेदपुर अक्षेस ने नवीनता के साथ 'स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण' की पेश की अनूठी मिसाल !
3. विभिन्न नगर निकायों द्वारा क्रियान्वित/ संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई
4. प्रधानमंत्री आवास योजना(शोहोर) खोअ् दोलान ओड़ाअ् ऐ आम् केआ्य

उत्कृष्ट कार्यों के लिए झारखंड का मॉडल बनेगा राँची: माननीय केन्द्रीय सचिव

केंद्रीय सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, श्री दुर्गा शंकर मिश्रा जी एवं संयुक्त सचिव श्री अमृत अभिजात जी द्वारा राजधानी रांची में दो-दिवसीय (5 एवं 6 फरवरी 2021) भ्रमण कर नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड की समीक्षा किया गया. दिनांक 05 फरवरी 2021 को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित बिरसा मुंडा स्मृति पार्क आवासीय परियोजना का निरीक्षण किया गया.

इस अवसर पर केन्द्रीय सचिव महोदय द्वारा 5 लाभुकों - राजेश राम, बसंत नायक, गोरा राम, एतवा उराँव तथा धर्मेन्द्र कुमार को, सपरिवार नवनिर्मित फ्लैट में गृह प्रवेश करवाया गया एवं आवास आवंटन पत्र प्रदान किया गया. आवासीय परियोजना में रह रहे परिवारों को संबोधित करते हुए सचिव महोदय ने उनके जीवन में आए बदलावों को जान कर प्रसन्नता व्यक्त की एवं वहाँ रह रहे लाभुकों को सभी मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया.

राँची के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का लिया जायजाः राँची के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में कमांड-कंट्रोल सिस्टम फॉर श्री डी मॉडल के निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय ने कहा ''यह पूरे शहर का ब्रेन और नर्वस सिस्टम है, जिससे नागरिकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने पर विचार करने की जरूरत है. स्कूल-कॉलेज के बच्चों को भी यह सेंटर दिखाने की जरूरत है''. साथ ही धुर्वा में निर्माणाधीन स्मार्ट सिटी का भ्रमण किया, जहां 656 एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही स्मार्ट सिटी के श्री डी मॉडल का एवं वहां बन रहे सड़क, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज, सिवरेज, यूटिलिटी डक्ट, साइकिल लेन, फुटपाथ निर्माण आदि का भी निरीक्षण किया.

स्ट्रीट वेंडरों से बात कर उनके कारोबार की ली जानकारीः सचिव महोदय ने अटल वेंडर मार्केट का भी निरीक्षण किया. इस दौरान दुकानदारों से बात कर, उनके कारोबार की जानकारी ली तथा पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत 10 लाभुकों को 10,000-10,000 का ऋण भी प्रदान किया.

बिरसा मुंडा स्मृति पार्क आवासीय परियोजना का गृह प्रवेश करवाते माननीय केंद्र सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, माननीय श्री विनय कुमार चौबे एवं संयुक्त सचिव माननीय श्री अमृत अभिजात.

दो दिवसीय भ्रमण के दौरान राजधानी में संचालित योजनाओं का किया निरीक्षण

- निगम क्षेत्र के बनहौरा में निर्मित किफायती आवासीय परियोजना के कार्यों का निरीक्षण
- अटल वेंडर मार्केट में 10 लाभुकों को पीएम स्वनिधि योजना का दिया लाभ
- ''स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का 3D मॉडल पूरे शहर का ब्रेन और नर्वस सिस्टम है, सुनिश्चित करें की नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ मिले'' : केंद्र सचिव

बायसाइकिल चला कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

दौरे के दूसरे दिन रांची स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित पब्लिक बायसाइकिल शेयरिंग सिस्टम के तहत केन्द्रीय सचिव महोदय ने बायसाइकिल चला कर मोराबादी मैदान की सैर की. उन्होंने कहा कि साइकिल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है और पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अच्छा है.

केन्द्रीय शहरी विकास सचिव,श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, माननीय मुख्यमंत्री,झारखंड श्री हेमंत सोरेन से औपचारिक मुलाक़ात करते हुए.

स्ट्रीट वेंडर से की बातचीत, पूछा पीएम स्वनिधि से लाभ मिला?

मोराबादी में 12 साल से चाय की दुकान चला रहे शैलेंद्र सिंह ने सचिव महोदय से बातचित के दौरान कहा - ''लॉकडाउन के समय मेरा सारा पैसा खत्म हो गया था, तब मुझे पीएम स्वनिधि योजना के बारे में मालूम चला, जिससे रू.10,000 तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है. नगर निगम से संपर्क कर मुझे ये ऋण प्राप्त हुआ. जिसके बाद मैं वापस से अपने दुकान चलाने के लिए सक्षम हो गया''. डिजिटल लेन-देन हेतु उन्होंने अपने दुकान पर क्यू आर कोड की भी व्यवस्था की है.

शैलेंद्र सिंह ने पीएम स्वनिधि योजना से उनकी जिंदगी में आए बदलाव के बारे में सचिव महोदय एवं उनकी टीम को बताया.

बनहौरा में निर्मित आवासीय परियोजना का निरीक्षण

केन्द्रीय सचिव महोदय एवं टीम द्वारा राँची नगर निगम क्षेत्र के बनहौरा में निर्मित किफायती आवास परियोजना के कार्यों का निरीक्षण भी किया गया. विदित हो कि बनहौरा में 180 फ्लैटों का निर्माण किया जा रहा है, जिसके तहत लाभुकों को आवास आवंटन किया गया है. निर्माण कार्य को देख कर सचिव महोदय ने प्रसन्नता जाहिर की एवं जल्द से जल्द लाभुकों को आवास प्रदान करने का निर्देश दिया गया.

केन्द्रीय सचिव महोदय एवं टीम द्वारा राँची नगर निगम क्षेत्र के बनहौरा में निर्मित किफायती आवास परियोजना के कार्यों का निरीक्षण भी किया गया.

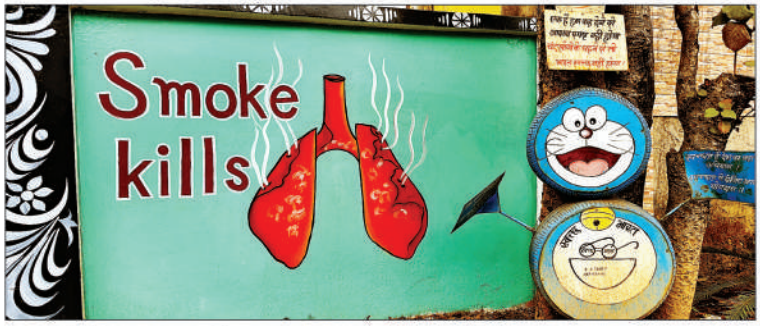

जमशेदपुर अक्षेस में दीवारों पर पेंटिंग के माध्यम से उकेरा जागरूकता संदेश.

जमशेदपुर अक्षेस ने नवीनता के साथ 'स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण' की पेश की अनूठी मिसाल !

सोनारी दोमुहानी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सामुदायिक शौचालय का सौंदर्यीकरण करवाया गया है, और सबसे अनोखी बात ये की इस शौचालय के ऊपरी मंजिल पर रेस्टोरेंट का बंदोबस्त किया गया है. संभवतः झारखंड का यह पहला रेस्टोरेंट है, जिसे शौचालय के ऊपर बनवाया गया है. यह अनोखी सोच जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी श्री कृष्ण कुमार व सिटी मैनेजर श्री रवि भारती की है.

अनोखी पहल : सामुदायिक शौचालय का सौंदर्यीकरण कर उसके ऊपर खुला रेस्टोरेन्ट.

शहर के लोगों को लुभा रही आकर्षक थ्री डी पेंटिंग्स.

आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 को लेकर जमशेदपुर अक्षेस की ओर से शहर के विभिन्न दीवारों पर प्रचार सामग्री का पेंटिंग कराया गया है.एसएसपी ऑफिस के दीवार पर तंबाकू निषेध अभियान के अतिरिक्त पेंटिंग द्वारा एक सेल्फी प्वाइंट का भी निर्माण कराया गया है.

लगातार तीसरे साल जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को ओडीएफ डबल प्लस घोषित किया गया. केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा कराए गए सर्वे में जमशेदपुर अक्षेस को यह उपलब्धि मिली है. शहरों में स्वच्छता के प्रति लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने एवं निकायों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडीएफ खुले में शौच मुक्त प्लस और ओडीएफ डबल प्लस का फार्मूला लागू किया गया. स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता के साथ-साथ शहर के सौंदर्यीकरण पर भी फोकस किया गया है. विशेष पदाधिकारी श्री कृष्ण कुमार ने कहा की, ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख दीवारों पर पेंटिंग कराया गया है. इन पेंटिंग के माध्यम से शौचालय का प्रयोग, नीला डस्टबिन का प्रयोग, कूड़े का पृथक्करण जिसमे गीला और सूखा कचरा को अलग-अलग कर फेंकना, जहां-तहां नहीं थूकने का संदेश दिया जा रहा है.

सेल्फी जोन की तस्वीर नेशनल पिक्चर ऑफ द डे के लिए चुनी गईः जमशेदपुर अक्षेस की ओर से टाटा मुख्य अस्पताल के पीछे गेट के पास बेकार पड़ी दीवार पर 3डी पेंटिंग कर सेल्फी जोन में तब्दील किया गया. 3डी पेंटिंग करने वाले पेंटर सुदर्शन ने अपनी कला का ऐसा प्रदर्शन किया कि इस पेंटिंग को केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय भेजा गया, जहां से बाज की तस्वीर को नेशनल पिक्चर ऑफ द डे के लिए चुना गया.

विभिन्न नगर निकायों द्वारा क्रियान्वित/संचालित योजनाओं की समीक्षा

देवघर नगर निगम में विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की गयी.

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार की निदेशक विजया जाधव एवं उनकी टीम द्वारा देवघर नगर निगम, दुमका नगर परिषद, बासुकीनाथ नगर पंचायत एवं गिरिडीह नगर निगम में क्रियान्वित किये जा रहे कार्यक्रमों/ योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी एवं प्रगति हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये.

देवघर में बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) के अंतर्गत शेष बचे आवासों का निर्माण शीघ्र करने का निर्देश दिया गया. अधिकारियों द्वारा बताया गया कि, वर्तमान में आवास योजना अंतर्गत 6004 आवासों का कार्य

ई-गरिमा योजना अंतर्गत लाभुकों को ई-रिक्शा का वितरण.

पूर्ण हो चुका है व शेष कार्य प्रगति पर है. इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) के तृतीय घटक के अंतर्गत किफ़ायती आवास योजना के तहत कुल 468 आवासों का आवंटन किया जा चुका है एवं कुल 665 आवास स्वीकृत किए गए हैं. बैठक में कार्यपालक अभियंता जितेंद्र पासवान, सहायक अभियंता वैदेही शरण, नगर प्रबंधक मृणाल कुमार, सतीश कुमार दास, कुमारी प्रियंका, अनुज किस्पोट्टा, अर्बन प्लानर मंजु कुमारी, आदि उपस्थित थे.

ई-गरिमा योजना अंतर्गत चयनित लाभुकों को नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार की निदेशक विजया जाधव की उपस्थिति में लाभुकों को ई-रिक्शा का वितरण किया गया. दुमका नगर परिषद एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत द्वारा क्रियान्वित किये जा रहे कार्यक्रमों/योजनाओं यथा प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, आश्रय गृह, स्वयं सहायता समूह इत्यादि की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रगति हेतु कई आवश्यक निर्देश दिये गये. इस दौरान नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक महोदया सहित सहायक निदेशक श्रीमती मेघना रूबी कच्छप, कार्यपालक पदाधिकारी श्री राहुल जी आनंद जी, राज्य मिशन प्रबंधक श्री कुमार बम, श्री अन्तदेव कुमार, श्री मुकेश कुमार झा सहित नगर निकाय के सभी CM, CMM, COs, PMC कर्मी उपस्थित थे. गिरिडीह नगर निगम में क्रियान्वित/संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान निदेशक महोदया ने डिप्टी मेयर श्री प्रकाश सेठ से प्रधानमंत्री आवास योजनाओं- शहरी समेत अन्य योजनाओं को लेकर समय-समय पर रिव्यू करने पर ज़ोर दिया.

निदेशालय की टीम ने गिरिडीह नगर निगम के आश्रय गृह का भ्रमण कर वर्तमान स्थिति एवं सुविधाओं का जायजा लिया एवं बस स्टैंड व बाज़ार में आश्रय विहीन लोगों को आश्रय गृह की सुविधा लेने हेतु प्रेरित भी किया.

प्रगति की ओर एक और कदम

फ्लिपकार्ट समर्थ योजना से स्वयं सहायता समूहों को मिली आर्थिक उन्नति की नई राह

- फ्लिपकार्ट समर्थ योजना से स्वरोजगार को मिला बढ़ावा
- उत्पादों की होगी अब फ्लिपकार्ट पर बिक्री
- सूचीबद्ध हेतु उत्पादों की गई फ्लिपकार्टके द्वारा फोटोग्राफी

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से बिक्री करने हेतु भारत सरकार द्वारा फ्लिपकार्ट समर्थ योजना की शुरुआत की गयी है. अब समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की ख़रीदारी कोई भी फ्लिपकार्ट के माध्यम से कर सकता है. यह योजना, समूह को एक बेहतर बाजार मुहैया कराने एवं आजीविका सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है. योजना अंतर्गत उत्पादों को ऑन बोर्डिंग कराने हेतु निदेशालय द्वारा रांची और धनबाद नगर निगम को प्रमुख सेलर पॉइंट के रूप में नामित किया गया है. तदोपरांत, दोनों निकायों के सेलर द्वारा फ्लिपकार्ट समर्थ योजना के तहत एकरारनामा जनवरी माह में सम्पन्न हुआ. दिनांक 18 एवं 19 फरवरी को स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित 164 उत्पादों के Catalogue (सूची) हेतु फ्लिपकार्ट द्वारा फोटोग्राफी भी की गयी. फ्लिपकार्ट समर्थ योजना, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को और अधिक आत्मनिर्भर बनाने एवं आजीविका में सुधार लाने की एक नयी पहल है. इससे महिलाओं की जीवनशैली में बदलाव आएगा, नए अवसर मिलेंगे एवं स्वरोजगार का बड़ा मंच मिलने से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का मनोबल भी बढ़ेगा.

फ्लिपकार्ट समर्थ पर बिक्री करने के उद्देश्य से समूहों की महिलाओं (SHG) के द्वारा निर्मित उत्पादों की फोटोग्राफी करते हुए.

संथाली आलेख

प्रधानमंत्री आवास योजना(शोहोर) खोअ् दोलान ओड़ाअ् ऐ आम् केआ्य

संकलनकर्ता - मुर्तुजा अंसारी, नगर प्रबंधक, गोड्डा नगर परिषद

गीता मुर्मू,गोड्डा नगर परिषद की निवासी है. इनके पिता के देहांत के बाद, अपना घर न होने से इनके ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. जब इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के बारे में जानकारी मिली तो इन्होनें इस योजना हेतु आवेदन दिया. आवेदन देने के उपरांत इन्हें पहली किश्त की राशि उपलब्ध करवा दी गयी. धीमे धीमे किश्त की राशि से घर बनाना शुरू किया व देखते ही देखते तीन माह के भीतर इनका आवास बन गया, जहां ये अपने पूरे परिवार के साथ शांतिपूर्वक जीवन यापन कर रही है .

गीता मुर्मू आर उनी रेन जुरी दुबराज सोरेन दो आक़ीन रेन मित् टेन कोड़ा गिदरा आर बारया कुड़ी गिदरा ताको साँवते आडी कोस्टो तेको ताहेन कान ताहेना. 2015 साल रे आडी आचका गी उनी रेन जुरी बाबा दोय बाडीच एन खान ओनको वाक घारोंज रे आडी हाहाकार हेच पाडाव़ेन ताकोआ. आर ओनकोवाक जिंदगी दो आडी गी बाड़ीचहालोत रे हेच पाडाव़ेन ताकोआ।किचरिच आर जोम-ञू को लाग़ीत् तेयाक आय-उपाय चाबा लेकाव कान ताहेना.

गीता मुर्मू चेतान रे चालाक कान मुष्किल घोटना को आन्जोम काते जाहाँय गी आडी भाभना गीय आयकाव केया। हासा रेयाक रापुत-रापुत् ओड़ाक आर ओना चेतान रे बुसुक रेयाक उमुलाक दो आडीदायागी ञेलोक कान ताहेना. लोलो-सेतोड. दिन मा जाहाँ लेकाते पारोमोक कान ताहेन मेन खान दाक-जापुत् दिन दो एटाक होड़ाक बारान्डा ते चालाव काते को उमुलोक कान ताहेना. गीता मुर्मू वाक नोवा मुष्किल हालोत रेयाक खोबोर गोड्डा नगर परिषद् दोय आञोम आम् केदा आर गोड्डा नगर परिषद् रेन कामिया को ओनकोवाक ओड़ाक ते सेन काते प्रधानमंत्री आवास योजना रेयाक लाभ एमाको लागीत् को लाग़ात् कोवा। मित् माहना. भीतरी रेगी ओड़ाक लागीत् ते पोरथोम किस्त पोयसा को ञम केदा.

पे माहना भीतरी रेगी दोलान ओड़ाक दो बेनाव काते तेयार ना. नाहाक सोमोय रे गीता मुर्मू दो प्रधानमंत्री आवास योजना होतेते बेनाव आकान ओड़ाक, टान्डीते ओडाक, दाकाय ओडाक आर उज्जवला योजना होते ते गैस, राषन कार्ड आर एमान तेयाक लाभ कु होंय ञामेत् काना. नोवा का दिन रे ओनको वाक जिंदगी आडी कुसी-रासका ते पारोमोक कान ताकोवा. तेहेञ दो गीता मुर्मू नगर परिषद्, गोड्डा आयाक गोटा मोन आन्तोर ते सारहावे चालाय काना.

संतोषजनक है कुष्ठ रोगियों के लिए निर्मित नवजीवन आश्रम : केंद्रीय निदेशक

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक माननीय श्री आर.के गौतम एवं क्षेत्रीय समन्वयक श्री मनीष कुमार के द्वारा दिनांक 04-02-21 को जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति, झारखण्ड अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत कुष्ठ रोगियों के लिए निर्मित नवजीवन आश्रम आवासीय परियोजना का भ्रमण किया गया. इस परियोजना में कुल 400 आवासों का निर्माण किया जा रहा है .

नवजीवन आश्रम आवासीय परियोजना के निरीक्षण हेतु उपस्थित केन्द्रीय टीम.

कुष्ठ रोगियों से निदेशक महोदय ने वार्ता कर उनके जीवन में आए बदलावों को जाना. इस अवसर पर जमशेदपुर के विशेष पदाधिकारी श्री कृष्ण कुमार, निदेशालय के श्री दिनेश कुमार द्विवेदी , जुडको लि० के श्री संतोष कुमार चौबे सहित स्थानीय नागरिक एवं PMAY (U) कर्मी उपस्थित थे.

इसके उपरांत निदेशक महोदय ने सरायकेला नगर पंचायत का भ्रमण किया, जहाँ उनका स्वागत झारखण्ड के प्रसिद्ध छऊ नृत्य द्वारा किया गया. भ्रमण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष तथा निदेशक महोदय द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के चतुर्थ घटक अंतर्गत तीन लाभार्थियों का गृह प्रवेश कराया गया . तत्पश्चात सभी गणमान्य लोगों द्वारा नोरोडीह किफायती आवास परियोजना के तहत बनाये जा रहे आवासों का निरीक्षण किया गया . मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी श्री राजीव रंजन मौजूद थे .

पीएम स्वनिधि योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाइट हाउस प्रोजेक्ट, राँची की प्रगति पर चर्चा

नगरीय प्रशासन निदेशालय के कार्यालय कक्ष में दिनांक 29 जनवरी, 2021 को राँची नगर निगम क्षेत्र में संचालित की जा रही राष्ट्रीय आजीविका मिशन विशेषकर पीएम स्वनिधि योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाइट हाउस प्रोजेक्ट की प्रगति पर चर्चा की गयी एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने हेतु कई निर्देश दिए गए. बैठक में विशेष रूप से उपस्थित महापौर श्रीमति आशा लकड़ा एवं निदेशालय की टीम के समक्ष लाइट हाउस प्रोजेक्ट, राँची के क्रियान्वयन हेतु , निर्माणकर्ता एजेंसी एस.जी.सी मैजीक्रीट द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया.

निदेशक महोदया द्वारा बताया गया कि लाइट हाउस प्रोजेक्ट, राँची, झारखंड के लिए बहुत ही प्रतिष्ठित योजना है, जिसके तहत राँची नगर निगम अंतर्गत आनी मौजा में नई एवं उभरती तकनीक से 1008 आवासों का निर्माण किया जा रहा है . इसके सफल क्रियान्वयन हेतु सभी का सक्रिय सहयोग आवश्यक है. महापौर महोदया द्वारा आश्वस्त किया गया कि फुटपाथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण दिलाने एवं लाइट हाउस प्रोजेक्ट के संभावित लाभुकों को अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया जायेगा कबैठक में सहायक निदेशक श्रीमती मेघना रूबी कच्छप एवं श्री शैलेश प्रियदर्शी, अंचलाधिकारी नगड़ी, वंदना कुमारी, श्री वितरान सोमपुरा, एस.जी.सी मैजीक्रीट सहित निदेशालय एवं राँची नगर निगम की टीम उपस्थित थी.

लाइट हाउस प्रोजेक्ट, राँची के प्रस्तुतीकरण में महापौर आशा लकड़ा, निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय,विजया जाधव एवं अन्य ।

देवघर नगर निगम

मेगा हैल्थ कैंप में 350 फ्रंट लाइन वर्कर की हुई जांच

नगर आयुक्त शैलेंद्र कुमार लाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, देवघर के अंतर्गत नगर निगम में दिनांक-18.02.21 को स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर नगर निगम में शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत सफाई कर्मियों, रिक्शा चालकों व कूड़ा उठाने वालों की स्वास्थ्य जांच की गयी.

इस शिविर में कुल 220 सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच की गई. जिसमें मुख्य रूप से बीपी, डायबिटीज के 160 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, मलेरिया के लिए संभावित 150 मरीजों की जांच रैपिड किट माध्यम से किया गया. कुष्ट रोग के 3 संभावित मरीजों की जांच की गई. तंबाकू रोकथाम के लिए 110 सफाई मित्रों को परामर्श दिया गया. मौके पर विभिन्न कर्मी एवं अधिकारी उपस्थित थे.

अनेकता में एकता को समेटे है चक्रधरपुर का इतिहास

चक्रधरपुर, झारखंड राज्य के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक नगर परिषद है। यह दो पड़ोसी राज्यों उड़ीसा और पश्चिम बंगाल की सीमाओं के करीब है. नदियों, पर्वत, घाटियों और वन जैसे प्राकृतिक संसाधनों की से समृद्ध है चक्रधरपुर. यह शहर 22.7 उत्तर 85.63 पूर्व में 227 मीटर (745 फीट) ऊँचाई में स्थित और पहाड़ों से घिरा हुआ है और संजय नदी के किनारे पर पठार की तलहटी में बसा हुआ है. यह दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन् का रेलवे डिवीजनल मुख्यालय है. शहर के प्रमुख निवासी रेलवे कर्मचारी हैं. यह रेलवे प्रतिष्ठानों, मुख्य रूप से कर्मचारियों के क्वार्टर के साथ कवर क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा है. नगर परिषद् बनने के बाद चक्रधरपुर में कई विकासात्मक कार्य हुए . यात्रियों की सुविधा बढ़ाने हेतु पुराने स्टेशन के अलावा नए स्टेशन का निर्माण भी कराया गया.

सीमाएं : यह जिला 210 58' और 230 36' उत्तरी अक्षांश और 850 0' और 860 54' पूर्वी देशांतर में फैला हुआ है. समुद्र तल से 244 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. जिले के उत्तर में खुँटी, पूर्व में सारायके ला-खरसावाँ, दक्षिण में उड़सिा का केउन्झर, मयूरभंज और सुन्दरगढ़ और पश्चिम में झारखण्ड का सिमडेगा एवं उड़सिा का सुन्दरगढ़ सीमाबद्ध है. जिले में बहने वाली कुछ महत्वपूर्ण नदियां कोयल, कारो-कोनिया, खरकई, संजय, रारो, देव, बैतरणी हैं.

ऐतिहासिक घटनाएं

- 1990 : पश्चिम सिंहभूम जिला तब अस्तित्व में आया जब पुराने सिंहभूम जिले का विभाजन किया गया था
- 2001 : सरायकेला खरसावां जिला पश्चिम सिंहभूम से अलग किया गया था
- 2008 : चक्रधरपुर को नगरपरिषद बनाया गया

प्रमुख पर्यटन स्थल

यह जिला पहाड़ी ढलानों पर घाटियाँ, खड़ी पहाड़े और घने जंगलों से भरा पड़ा है. जिले में सबसे अच्छे साल वृक्ष के वन है और सारंडा (सात सौ पहाड़ी) वन क्षेत्र दुनिया भर में जाना जाता है.

शहीद पार्क : शाहिद पार्क प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने वाले लोगों के लिए आराम करने के लिए एक आदर्श जगह है.

चेनपुर : यह गांव चक्रधरपुर ब्लॉक में स्थित है और इसके शिव मंदिर के लिए जाना जाता है. शिव चतुर्दशी और चैत्र संक्रांति (महीने-अप्रैल) के अवसर पर सालाना काफी बड़े मेले आयोजित किए जाते हैं.

हिरनी फॉल : यह घने जंगलों के बीच बेहद खूबसूरत झरना है. यह काफी लोकप्रिय पिकनिक स्थान है.

कोटगढ़ : यह गांव जगन्नाथपुर ब्लॉक में स्थित है. स्थानीय विश्वास के अनुसार, यह बहुत शक्तिशाली भारतीय शासकों की सीट थी, जिनके प्रभाव जगन्नाथपुर, मंजरी, मंजंज और चक्रधरपुर के क्षेत्रों में फैल गए थे, जो कि एक सदी पहले ही थे. नारपत सिंह ने कोटगढ़, जगन्नाथपुर और जंतिगढ़ में किले बनाया था, जो राजवंश के अंतिम राजा थे.

थोल्कोबाद : मनोहरपुर में ब्लॉक मुख्यालय के दक्षिण में यह सुंदर रूप से 1800 फीट की ऊंचाई पर जंगलों के बीच स्थित है. सबसे पुराना साल का पेड़ ''सरंडा क्वीन'' यहां मौजूद है.

जगन्नाथपुर : गांव एक ही नाम वाले विकास खंड के मुख्यालय है और यह 45 किलोमीटर दूर स्थित है. चाइबासा के दक्षिण-पश्चिम. गांव का नाम इसके संस्थापक, पोराहट के राजा जगन्नाथ सिंह से मिलता है. इसमें भगवान शिव का एक पुराना मंदिर है.

चक्रधरपुर नगर परिषद एक नज़र में

23 कुल वार्डो की संख्या | **2008** स्थापना वर्ष | **967** नगर परिषद का क्षेत्रफल हेक्टेयर | **56531** जनसंख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)

अध्यक्ष : श्री कृष्ण देव शाह
उपाध्यक्ष : श्री आनंद कसेरा
कार्यपालक पदाधिकारी : श्री अभय कुमार झा

आधुनिक तकनीक से निर्माणाधीन लाइट हाउस प्रोजेक्ट का संरचनात्मक मॉड्यूल

प्रधानमंत्री आवास योजना, 'हाउसिंग फॉर ऑल', भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत राज्य में ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज (जीएचटीसी) को लॉंच किया गया है। इस चैलेंज के अंतर्गत लाइट हाउस प्रोजेक्ट में नई एवं उभरती तकनीकों से आवासों का निर्माण किया जाएगा। रांची में कुल 1008 आवासों का निर्माण, G+ 8 संरचना में किया जाएगा, जिसकी कुल लागत 133.39 करोड़ रू है। जापान, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया में भवन निर्माण हेतु पहले से ही स्थापित 3D वॉल्यूमैट्रिक कंक्रीट निर्माण प्रणाली भवन निर्माण हेतु एक आधुनिक विधि है, जिसके द्वारा बेडरूम, शौचालय, रसोई, बाथरूम, सीढ़ियाँ आदि जैसे ठोस प्रीकास्ट संरचनात्मक मॉड्यूल का अखंड ढांचा के माध्यम से कारखाने में ही निर्माण होता हैं। इन मॉड्यूलों को क्रेन और पुश-पुल जैक के मदद से पहुँचाया जाता है और साथ ही एक स्थल पर स्थापित किया जाता है, ताकि पूरे भवन का निर्माण किया जा सके। उत्थापन क्षमता के अधीन, प्रौद्योगिकी का उपयोग करके किसी भी ऊंचाई के भवन का निर्माण किया जा सकता है।

निर्माण की प्रक्रिया

परियोजना में अनुक्रमिक निर्माण, भवन की नींव को तैयार करते हुए शुरू किया जाता है, जबकि प्रीकास्ट कंक्रीट संरचनात्मक मॉड्यूल का निर्माण कारखाने में ही होता है । कारखाने में निर्मित बेडरूम, शौचालय, रसोईघर, सीढ़ी, आदि को भवन निर्माण के स्थल पर टावर क्रेन की मदद से स्थापित किया जाता है। अंत में मकान के आखिरी दीवार को स्थापित कर भवन का निर्माण किया जाता है । जिसके बाद प्री स्ट्रेस्ड स्लैब को फर्श तत्वों के रूप में स्थापित किया जाता है। रेबार जाल अंततः संरचनात्मक पेंच के लिए स्थापित कर, सारे तत्वो को जोड़ा जाता है। कुछ इसी तरह विभिन्न मंजिलों का निर्माण होता हैं, ताकि संरचना को पूरा किया जा सके।

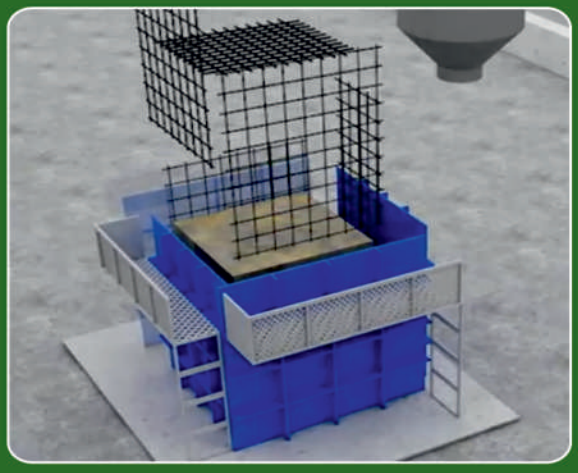

विशेषताएं

- इमारत का लगभग 90% काम परिष्करण सहित प्लांट/कास्टिंग यार्ड में पूरा होता है ताकि निर्माण और अधिभोग हेतु समय कम लगे।
- कारखाने के नियंत्रित वातावरण में संसाधन अनुकूलन, बेहतर गुणवत्ता एवं दुरुस्त ढांचे का निर्माण किया जाता है
- आवश्यक कंक्रीट को औद्योगिक उप-उत्पाद जैसे कि फ्लाई ऐश, ग्राउंड ग्रेनुलेटेड ब्लास्ट फर्नेस स्लैग (GGBFS) माइक्रो सिलिका इत्यादि का उपयोग करके डिजाइन किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जाता है।
- चिकनी सतह के साथ यह प्लास्टर के उपयोग को खत्म करता है।
- भवन की दीवारों और फर्श की अखंड कास्टिंग, लीकेज के संभावना को कम करती है ।
- प्रणाली का न्यूनतम सामग्री अपव्यय, निर्माण स्थल को साफ-सुथरा एवं धूल मुक्त वातावरण प्रदान करता है ।
- इष्टतम मात्रा में पानी का उपयोग रीसाइक्लिंग के माध्यम से किया जाता है ।
- शटरिंग और मचान सामग्री का न्यूनतम उपयोग होता है। इसका निर्माण सभी मौसम में किया जाता है ताकि साइट पर बेहतर व्यवस्था की जा सके।

कोरोना वायरस का खतरा हटाएँ,
अपनी बारी आने पर टीकाकरण अवश्य करवाएँ !

राज्य के सभी 50 शहरी स्थानीय निकायों के
फ्रंट लाइन वर्कर्स को कोविड टीकाकरण के तहत
प्रथम डोज एवं द्वितीय डोज दिया जा रहा है।
प्रथम डोज : 7092 फ्रंटलाइन वर्कर्स को दिया गया
द्वितीय डोज : 6047 फ्रंटलाइन वर्कर्स को दिया गया

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in
1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand